UNDER GRADUATE COURSES FOR SANSKRIT (HON.) UNDER CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

विद्यालङ्कार (B.A. Sanskrit Hons.)

संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम

Detail of the Core Course for Sanskrit

सत्र-तृतीय Semester 3

आधारभूत पत्र (Core paper)

PaperHSA– C312

संस्कृत काव्यशास्त्र और साहित्यिक समीक्षा

Poetic and literary criticism

पूर्णाङ्क -100

सत्रान्त परीक्षा -70

आन्तरिक परीक्षा-30

सकल-अर्जिताधिभार 06

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

खण्ड-क(Section – A) संस्कृत काव्यशास्त्रका परिचय

खण्ड-ख(Section – B) काव्य के भेद

खण्ड-ग(Section – C) शब्द - शक्ति

खण्ड-घ(Section –D) अलंकार एवं छन्द

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

साहित्य शास्त्र से सम्बद्ध इस पाठ्यक्रम का अध्ययन सभी काव्यगत कलाओं (साहित्य) अलंकार, रस, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि, औचित्य आदि सम्प्रदायों को सम्मिलित करता है। संस्कृत साहित्यशास्त्र का सम्पूर्ण साम्राज्य, काव्य की परिभाषा, विभाग, शब्द का कार्य एवं तात्पर्य, रस और अलंकार के सिद्धान्त, छन्द आदि पर पुष्पित पल्लवित हुआ है। यह छात्रों की रचनात्मक लेखन एवं साहित्यिक रसास्वादन के सामर्थ्य को विकसित करने में सहायक होगा।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र संस्कृत के साहित्यशास्त्र की विभिन्न विधाओं से परिचित हो सकेगा।
2. साहित्यिक लेखनकला में ज्ञान एवं योग्यता प्राप्त कर सोई हुई छात्र की प्रतिभा का जागरण सम्भव है।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड-क(Section – A)

संस्कृत काव्यशास्त्रका परिचय

घटक (Unit) –1संस्कृत काव्यशास्त्रका परिचय : संस्कृत काव्यशास्त्रकी उत्पत्ति और विकास,काव्यशास्त्र के विभिन्न नाम –क्रियाकल्प, अलंकारशास्त्र, साहित्यशास्त्र, सौन्दर्यशास्त्र

खण्ड-ख(Section – B)

काव्य के भेद

घटक (Unit) –1काव्य के प्रकार – दृश्य, श्रव्य, मिश्र(चम्पू)

साहित्यदर्पण के अनुसार- महाकाव्य, खण्डकाव्य, गद्यकाव्य, कथा और आख्यायिका।

खण्ड- (Section –C)

शब्द - शक्ति और रस-सूत्र

घटक (Unit) –1काव्यप्रकाश के अनुसार - शब्द-शक्ति(अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना का सामन्य परिचय)

खण्ड- (Section –D)

अलंकार एवं छन्द

घटक (Unit) –1अलंकार- (लक्षण एवं उदाहरण) अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, सन्देह, भ्रान्तिमान्, अपह्नुति,उत्प्रेक्षा, निर्दशना, व्यतिरेक, समासोक्ति, स्वाभावोक्ति, अप्रस्तुतप्रशंसा, अर्थान्तरन्यास, काव्यलिंग तथा विभावना।

घटक (Unit) –2छन्द- (लक्षण एवं उदाहरण) अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, द्रुतविलम्बित, उपजाति, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता,शिखरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, स्रग्धरा।

संस्तुतग्रन्थाः

1. Alankara according to Sahityadarpana(Ch. X)and metres according to prescribed texts of poetry and drama.
2. Dwivedi, R.C, The Poetic Light:, Motilal Banarsidas, Delhi.1967.
3. Kane P.V., History of Sanskrit Poetics pp.352-991,
4.Kane, P.V., 1961, History of Sanskrit Poeticsand its Hindi translation by Indrachandra SHSAtri,Motilal Banarasidas, Delhi.
5. Kavyaprakasha, karikas4/27, 28 with explanatory notes.
6. Ray, Sharad Ranjan, Sahityadarpana; Vishvanatha, (Ch 1,VI& X) with Eng. Exposition, Delhi.
7. Sahityadarpana: (Ch.VIth), Karika6/1,2,313-37 8.

नगेन्द्र, (स ०),काव्यप्रकाश : मम्मटकृत,आचार्य वि श्वश्वेर की व्याख्या सहित,ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी 52.

9. शालिग्राम शास्त्री,साहित्यदर्पण : (व्या०),मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली.

10. बलदेव उपाध्याय,संस्कृत — आलोचना,हिन्दी समिति, सूचना विभाग,उ. प्र.,1963.

Note: Teachers are also free to recommend any relevant books/articles/e-resource if needed.